दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 207
मुरादाबाद
(Wednesday)
18 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हमारे पास सामर्थ्य भी और संकल्प भीः आसियान समिट में बोले पीएम मोदी;अस्थिरता खत्म करने पर भी दिया जोर



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भारत और आसियान देशों के मजबूत संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साथ मिलकर शांति, स्थिरता और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र का निर्माण करना साझा लक्ष्य है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने लगातार कई संकटों का सामना किया है। आज दुनिया को सबसे ज्यादा शांति, स्थिरता और भरोसेमंद माहौल की जरूरत है। ऐसे में इस वर्ष की थीम %हम सब मिलकर अपने भविष्य की राह तय करें% विशेष महत्व रखती है। आने वाले वर्षों में आसियान कम्युनिटी विजन 2045 और विकसित भारत 2047 हमारी साझा आकांक्षाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा हमारे पास सामर्थ्य भी है और संकल्प भी जिससे हम आपसी भागीदारी को नई दिशा दे सकते हैं। हमारा मानना है कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 12 वर्षों में हमने अपनी साझेदारी को नई गति दी है। अब हमें मिलकर अपने क्षेत्र के भविष्य के लिए नई दिशा तय करनी होगी। आसियान की एकता और इस साझेदारी में उसकी केंद्रीय भूमिका के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अटूट है और आगे भी बनी रहेगी। मुझे विश्वास है कि आज की यह बैठक हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी और एक सुरक्षित, समावेशी तथा समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में योगदान देगी।करीब 250 क्रिक इंपैक्ट प्रोजेक्ट शुरू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने भारत-आसियान संबंधों को नई गति और गहराई दी है। हमारी साझेदारी अब साझा संस्कृति और विरासत से आगे बढ़कर डिजिटल, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी नए आयाम हासिल कर चुकी है। वर्ष 2014 से अब तक लोगों के बीच संपर्क मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की गई हैं, करीब 250 क्रिक इंपैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और कौशल विकास के लिए 10 हजार से अधिक छात्रवृत्तियां दी गई हैं। आज भारत और आसियान के नौ देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन हमारे मजबूत संबंधों का प्रमाण हैं।अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के इस समूह (क्वाड) की ये बैठक डोनाल्ड ट्रंप के लिए पहली होगी। ये बैठक इस समूह के पिछले सम्मेलन के दो साल बाद हो रही है, जिसे उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन अपनी विदेश नीति की एक बड़ी उपलब्धि मानते थेमनीला के खालसा दीवान गुरुद्वारे पहुंचे पीएम मोदी- फिलीपींस दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को मनीला स्थित खालसा दीवान गुरुद्वारे पहुंचकर मत्था टेका और यहां उन्होंने ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी में हिस्सा लिया और स्थानीय सिख समुदाय के लोगों से मुलाकात की।

उत्तराखंड में बड़ा हादसाः टिहरी गढ़वाल के गूलर में पुल से गिरी बस, नौ की मौत, 26 घायलों में कुछ की हालत गंभीर



उत्तराखंड में आज सुबह भीषण बस हादसा हो गया। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे के पास 35 यात्रियों को लेकर जा रही बस हादसे का शिकार हो गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में अब तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। बस हरिद्वार से चमोली जिले के कर्णप्रयाग जा रही थी। टिहरी जिले में गूलर घाटी के पास आज सुबह हुए बस हादसे में नौ लोगों की जान चली गई, जबकि 26 लोग घायल हो गए। घायलों में से भी छह की हालत गंभीर बनी हुई है। बस हरिद्वार से चमोली कर्णप्रयाग जा रही थी। हादसे के बाद एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। आज मंगलवार 17 नवंबर को सुबह करीब 4ः30 बजे यात्री बस गूलर बाजार के पास अनियंत्रित होकर गूलर पुल से करीब 100 मीटर नीचे गदेरे में जा गिरी। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की ब्यासी पोस्ट से उपनिरीक्षक सावर सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए ढालवाला और एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय से भी अतिरिक्त टीमें भेजी गईं।दुर्गम रास्ते और कठिन परिस्थितियों के बीच एसडीआरएफ के जवानों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। कुल 26 घायलों को स्ट्रेचर की मदद से सड़क तक पहुंचाया गया। यहां से एंबुलेंस के जरिये उन्हें अस्पताल भेजा गया। हादसे में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो यात्रियों ने ऋषिकेश एम्स में दम तोड़ दिया। सभी मृतकों की शिनाख्त हो गई है।तीव्र ढलान वाला मोड़ हादसे की शुरुआती वजह एसएसपी श्वेता चौबे ने ऋषिकेश एम्स पहुंचकर घायलों को हाल जाना। एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्रा के अनुसार, बस हादसे की शुरुआती वजह सड़क पर तीव्र ढलान वाला मोड़ प्रतीत हो रही है। इस दौरान क्रैश बैरियर भी बस को रोकने में प्रभावी साबित नहीं हुआ। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त बस का टैक्स 31 अक्तूबर को ही समाप्त हो चुका था।घायलों की सूची 1-मोहम्मद वहाब अंसारी (22) पुत्र उस्मान अंसारी, निवासी छैलापाता, जिला दुमका, झारखंड, 2-राहुल कुमार (24) पुत्र उपेंद्र कुमार, निवासी ट्रकुल अपार्टमेंट, पटना, बिहार 3-अभिषेक (28) पुत्र राजेंद्र सिंह, निवासी मोह. नत्था सिंह, जसपुर, ऊधमसिंहनगर4-प्रत्यूष पुत्र सुभाष (23) निवासी बुढ़ाकेशी, खटीमा, ऊधमसिंहनगर 5-अर्जुन सौरन (34) पुत्र प्रधान सौरन, निवासी ग्राम सीलीबुना, थाना रानीचौल, जिला दुमका, झारखंड 6-बुधन मुर्मू (50) पुत्र देवान मुर्मू, निवासी ढोडिया, जिला दुमका, झारखंड 7-आयरा (3) पुत्री नूर जहां, निवासी गुवाहाटी, असम 8-नूर जहां (26) पत्नी विशाल, निवासी गुवाहाटी, असम 9-राजकुमार (32) पुत्र काली चरण, निवासी ग्राम उपर मजियारा, जिला दुमका, झारखंड 10-जतिन (21) पुत्र जीतपाल, निवासी डीडीए क्वार्टर, जिला शाहदरा, दिल्ली11-पंकज नेगी (31) पुत्र पूरण नेगी, निवासी धौलतीर, रुद्रप्रयाग 12-संतोष कुमार (38) पुत्र नरेश प्रसाद, निवासी जहानाबाद, थाना घोषी, बिहार 13-वीरेंद्र सिंह (58) पुत्र मुरली सिंह, निवासी हैरन, कर्णप्रयाग, चमोली 14-मुन्ना सिंह (28)पुत्र शंकर सिंह, निवासी ऊपर मनियारा, थाना दुमका, झारखंड 15-सागर (21) पुत्र अनिल दुबे, निवासी प्रतापगढ़, बाबागंज, उत्तर प्रदेश 16-खुशी भट्ट (19) पुत्री दीपक भट्ट, निवासी मजीर कांडा, पिथौरागढ़ 17-एक व्यक्ति गंभीर (सीरियस) अवस्था में है, जिसका नाम व पता अज्ञात है। मौके पर कोई पहचान पत्र (आईडी) प्राप्त नहीं हुआ। 18-परेश मराठी पुत्र बुधन मराठी, निवासी ग्राम करड़ी, बुठकुंडा, जिला दुमका, झारखंड। 19-आसापंथ (64) पत्नी भुवनपंथ, निवासी ब्लॉक ऑफिस, हल्द्वानी, नैनीताल 20-पंकज कांडपाल (42) पुत्र जगदीश, निवासी ब्लॉक ऑफिस, हल्द्वानी, नैनीताल 21-अंजू (32) पत्नी नवीन कुमार, निवासी छड़ैल चौराहा, हल्द्वानी, नैनीताल 22-आर्यन गुप्ता पुत्र दीपक गुप्ता, निवासी सेडॉल, सुहागपुर, मध्य प्रदेश।23-रमेश चंद पुत्र जत्रा मोहन, निवासी कोलकाता। 24-दर्शन सिंह पुत्र बच्ची सिंह, निवासी हल्द्वानी, नैनीताल। 25-रामा प्रसाद घोष (62) पुत्र बटु किशन घोष, निवासी कोलकाता 26-नवीन (31) पुत्र कैलाश, निवासी हल्द्वानी, नैनीताल सभी मृतकों की हुई शिनाख्त- 1. विक्की (37), पुत्र सेवाराम, निवासी चंदौसी संभल, उत्तर प्रदेश। 2. राजरॉय (56) पुत्र द्वारका नाथ रॉय, निवासी जलपाईगुडी. पश्चिम बंगाल। 3. वाहन चालक राजेन्द्र सिंह (48) पुत्र कुन्दन सिंह, निवासी ग्राम क्यूरी पोखरी, जिला रुद्रप्रयाग। 4. परिचालक अनुज भंडारी (27) पुत्र अतर सिंह, निवासी बठल बयाणी, शिवपुरी, टिहरी। 5. पुन्नू (55) पुत्र घुघरू, निवासी ग्राम मैखण्डी, बारजूला, कीर्तिनगर। 6. सुशील प्रताप सिलोडी (55) पुत्र ब्रहमानंद, निवासी गोपेश्वर चोमोली 7. दीपक गुप्ता (55) निवासी मध्य प्रदेश। 8. विकास गुप्ता, निवासी- मध्य प्रदेश। 9. रोहित कश्यप (35) निवासी चन्दोसी संभल उत्तर प्रदेश।

संक्षिप्त समाचार

मैं और मेरा परिवार डरा हुआ हैः दोषियों को जमानत मिलने पर बिलकिस बोलीं- न्याय मिलने का भरोसा टूटता दिख रहा

2002 के गुजरात दंगों में बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दो दोषियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। इस फैसले पर बिलकिस ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें सुने बिना आदेश कैसे दिया गया 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए दो लोगों को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। शीर्ष अदालत के इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा दुख, हैरानी और अविश्वास जताया है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें सुने बिना दोषियों की उम्रकैद की सजा पर रोक कैसे लगा दी गई। मीडिया को जारी बयान में बिलकिस बानो ने कहा कि उन्हें इस आदेश की जानकारी अदालत से नहीं, बल्कि मीडिया में आई खबरों से मिली। उन्होंने कहा कि दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बुलाए बिना और उनका पक्ष सुने बिना आदेश पारित किया है।बिलकिस बानो ने अपने बयान में कहा दर्द, सदमे और अविश्वास के बीच मेरे पास कहने के लिए शब्द कम पड़ रहे हैं। मुझे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि दूसरी बार सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए बिना और मेरी बात सुने बिना आदेश दे दिया। मुझे इसकी जानकारी मीडिया की खबरों से मिली। बताया कि जब उनके साथ यह घटना हुई

एनसीपी के दोनों गुट के विलय की चर्चा के बीच अमित शाह की महाराष्ट्र में कई बैठकें, फडणवीस-शिंदे से मिले



महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय की चर्चाओं के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार से मुलाकात की। बंद कमरे में हुई बैठकों के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय की चर्चा के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दो दिवसीय दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, सुनेत्रा पवार और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण से अलग-अलग मुलाकात की। इन बैठकों के दौरान बंद कमरे में भी चर्चा हुई। खास बात यह है कि एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर राजनीतिक हलचल तेज है। ऐसे में शाह की इन मुलाकातों को महाराष्ट्र में महायुति की आगे की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुणे में किस-किस नेता से मिले अमित शाह?- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को पुणे पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने पुणे के मूढ़वा में सुनेत्रा पवार से मुलाकात की। इसके बाद देर रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उस होटल पहुंचे, जहां शाह ठहरे हुए थे। सोमवार सुबह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी शाह से मुलाकात की। इसके बाद शाह, फडणवीस और शिंदे के बीच करीब 45 मिनट तक बंद कमरे में बातचीत हुई। इन बैठकों में हुई चर्चा का आधिकारिक ब्योरा सामने नहीं आया है, लेकिन एनसीपी के दोनों गुटों के विलय की संभावनाओं के बीच इन्हें काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।एनसीपी के विलय से महायुति को क्या फायदा और नुकसान हो सकता है? एनसीपी के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। सूत्रों के मुताबिक, शाह ने फडणवीस और शिंदे के साथ इस घटनाक्रम के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा की। इसमें संभावित विलय से महायुति को होने वाले राजनीतिक फायदे और नुकसान पर भी विचार किया गया। अगर दोनों गुट एक साथ आते हैं तो महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का राजनीतिक समीकरण बदल सकता है। ऐसे में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के लिए सीटों के बंटवारे, नेतृत्व और भविष्य की राजनीतिक रणनीति जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हो सकते हैं।बैठक खत्म होने के बाद अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एक ही कार में सवार होकर एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इससे पहले शाह ने पुणे में अजित पवार की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के बाद सुनेत्रा पवार से भी मुलाकात की थी। लगातार हुई इन बैठकों ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दिया है। हालांकि, शाह और राज्य के नेताओं के बीच हुई बातचीत का आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर कोई औपचारिक घोषणा भी नहीं हुई है। ऐसे में इन मुलाकातों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में आगे क्या बदलाव होगा, इस पर नजरें टिकी हैं।

फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामलाः आजम खां को सुप्रीम कोर्ट से राहत, यूपी सरकार की अपील खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज कर दी है। दरअसल हाईकोर्ट ने इस मामले में आजम खां की सजा पर रोक लगा दी थी।समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने आजम खान की सजा पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान की पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम खान को भी राहत दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज की। साथ ही आजम खान की पत्नी और बेटे की उन अपीलों को भी स्वीकार कर लिया, जिनमें उन्हें भी इसी तरह की राहत देने से इनकार किए जाने को चुनौती दी गई थी। प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी नवाब काजिम अली खां उर्फ नावेद मियां तथा बाद में भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र पर चुनाव लड़ने की 3 जनवरी 2019 को शिकायत की थी। इस पर हाईकोर्ट ने अब्दुल्ला का चुनाव रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें राहत नहीं मिली। । में उनकी जन्मतिथि एक जनवरी 1993 जबकि नगर निगम लखनऊ से जारी प्रमाणपत्र में 30 सितंबर 1990 दर्ज है।

संपादकीय Editorial

Economic drama on stage

The issue isn't who has the most economic success in Himachal, but rather who has made the most efforts. Following the free electricity coming from BBMB projects, discussions are swirling about which party has appropriated its rights from the central government and in what manner. Economic ethics are also a matter of who has spread their wings after seeing the blanket. During this period, Himachalis have been constantly correcting statistics. If areas once deprived of roads are now reaching the stage of four-lane roads, it must have involved many hands in these transformations. Now, while the discussion is about systemic change along with development, the current government is restoring "old sources of new income." The government claims that Himachal will receive 3,000 crore rupees in revenue from the pending BBMB arrears and the Kishau Dam without any expenditure, why is this conflict now seeking politics? Of course, years of struggle have now turned into earnings, so this is a debate, not coercion. If the fight for rights were so easy, Himachal would have become a regiment by now. The displaced people of the Bhakra and Pong reservoirs would have achieved justice. The state's budget would have been strengthened through water cess rights. Environmental protection would have been replaced by economic compensation. It's not that no one made any efforts. It's also true that Shanta led the state to Delhi for rights, and various governments continued the fight for rights all the way to the Supreme Court. However, in the positive outcome, Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu has achieved four successes simultaneously, and he will undoubtedly trumpet his government's success. Here, we must mention Shanta Kumar's recent statements, and the fact remains that if any Chief Minister has made the state's water an asset, this same person has secured 12% free power from power projects.

As the water flows further, the Karcham Wangtoo project has generated 12% to 18% free electricity. Along similar lines, if free electricity rates increase to 30-40%, and if one day we reach 50% dividends from central public sector undertakings, the state's economic situation will also become beneficial. Just imagine, when the entire water rights increase the state's budget manifold, what will the status of governments be? For one thing, we have always maintained integrity in our relations with the central government and neighboring states in the fight for our rights, without turning it into a strategic battle. The economic rights we receive from the Kishau Dam are, in fact, a remedy derived from a strategic battle. Shanta Kumar was the first to change his tactics to secure his rights, and the Sukhu government has reaped the financial rewards with its own skills. This battle is not yet complete, but the government has clearly demonstrated with strategic clarity that achieving something requires uniting all intentions and opening avenues. There is also a right to take credit, and if the BJP attempts this, the entire process will be revealed. At least, economic discourse is beginning to emerge on the political stage. Ordinary citizens also want governments to pursue new goals in response to the imperative of systemic change. Himachal is not a country where it would waste time and resources at the behest of the central government. There is no doubt that the then Parmar government failed to raise the necessary voice for the rights obtained through the reorganization of Punjab.

Past Pages Resurface Old Conflicts

The anecdotes Sonia Gandhi shared about Maneka Gandhi in her memoirs could spark a renewed conflict between the two. Sonia's autobiography has opened up old pages about her relationship with Maneka. Maneka's political ambitions increased tensions within the Gandhi family. The book has sparked a new debate about the equation between the two daughters-in-law. India has always been curious about various aspects of the Gandhi-Nehru family. Sonia Gandhi's autobiography, "Belonging: A Journey of Love," has fueled this curiosity. Various aspects of her writing are being widely discussed and accusations and counter-accusations have also erupted. One of the most prominent concerns is the equation between the two daughters-in-law, Sonia Gandhi and Maneka Gandhi.

Sonia Gandhi's book has sparked a renewed debate about the relationship between the two. In her memoir, Sonia recounts her early association with Maneka until she left home. While she openly criticized Maneka's political ambitions and bad behavior, she also deeply felt the pain she felt after losing her husband, Sanjay Gandhi, at just 23 years old.

According to Sonia, initially, everything went well with Maneka. Even if Maneka occasionally threw tantrums, Indira and Sonia would ignore them, considering them younger. However, after a while, tensions began to grow in the household over even small matters. These domestic tensions soon transformed into political differences, ultimately leading to a major rift within the family.

Another significant revelation from Sonia's memoirs is how Maneka's relationship between her brothers, Rajiv and Sanjay, became increasingly strained. According to Sonia, Maneka's increasing interference in Sanjay's political activities indirectly affected the relationship between Rajiv and Sanjay. Even before Sonia's book, many renowned analysts and writers have periodically mentioned in their memoirs how sour the relationships between family members had become just a few months after Sanjay and Maneka's marriage.

An incident cited by journalist and author Khushwant Singh in my book on Sonia Gandhi, "Sonia: A Biography," published by Penguin, is noteworthy. According to Khushwant Singh, "Once, Rajiv and Sonia were celebrating the birthday of one of their children. I was present. I noticed that both brothers were at different ends of the house with their wives, as if they had nothing to do with each other." In his memoir, "Nice Guys Finish Second," B.K. Nehru also described the deteriorating relationships at Indira Gandhi's 12, Willingdon Crescent house (where Indira Gandhi lived with her entire family for about two and a half years after being ousted from power in 1977), saying, "There were frequent problems regarding household chores." Sonia was responsible for cooking, and Maneka was solely responsible for serving food. Relations between Indira's two sons and their wives were no longer cordial.

Memoirs from Sonia Gandhi to Khushwant Singh and B.K. Nehru indicate how the family atmosphere became bitter after Maneka's entry. Maneka's own political ambitions played a significant role in this, as did her mother, Amriteshwar Anand. Sonia also alludes to this in her book. According to her, after Sanjay's death, Maneka's mother wanted her daughter to enter politics directly, while Indira Gandhi insisted that she had plenty of time for this.She should focus on her few-month-old son, Varun. Perhaps Maneka's mother feared that after Sanjay's death, Maneka would be sidelined within the party and that the political influence she had enjoyed during Sanjay's tenure would be lost. Her fears were further strengthened by rumors that Rajiv would inherit Sanjay's political legacy. This was a major blow for Maneka Gandhi, as Indira Gandhi had promised to make her her personal secretary.From then on, Maneka began taking independent steps to carve out her own niche in politics. Despite being new to politics, she played her cards well and even decided the time to leave Indira's home. After this, the paths of Indira's two daughters-in-law parted forever. While Sonia took charge of the Congress, Maneka saw the path to fulfilling her political ambitions in joining parties that were staunchly opposed to the Congress.

Other books related to the Gandhi family also shed light on their relationship. For example, Catherine Frank's book, "Indira: The Life of Indira Nehru Gandhi," added fuel to the fire of conflict between the two daughters-in-law. Maneka accused Sonia of being behind the inclusion of slanderous stories about Sanjay in the book. Sonia herself did not comment on these allegations, but Natwar Singh took on the responsibility of attacking Maneka on her behalf.

Despite such revelations from time to time, a kind of ceasefire had existed between Indira Gandhi's two daughters-in-law for several years. However, the way Sonia has now turned the pages of history regarding Maneka in her memoirs, how much this peace between the two families will be affected will depend entirely on Maneka Gandhi's stance. There has been no statement from Maneka since the release of Rhea's book. Is she, as always, waiting for the right time? The answer will likely be known soon.

Student Union Politics Must Become Meaningful

The shift of student union politics from ideological dialogue to a focus on non-academic issues is not auspicious. Consensus reached on reinstating student union elections at Jamia Millia Islamia. The deviations in student politics and the need to return to ideals. The Lyngdoh Committee recommendations and their limited impact. Following the recent student protests at Jamia Millia Islamia in Delhi that lasted more than two weeks, the university administration and students reached an agreement on reinstating student union elections. The administration assured to hold elections within the stipulated timeframe after the start of the next academic session. Students fought for the reinstatement of the student union, which had been inactive for more than two decades. However, the objectionable slogans painted on the campuses during this struggle reveal that student politics remains adrift and is more concerned with non-academic issues. This is not a good sign.

The events at Jamia Millia Islamia seriously underscore the need for a balance between student representation, university accountability, the political consciousness of youth, and academic discipline. The decision to reinstate student unions prompts a fresh look at the need for student representation in universities, as it is a fact that student union politics has drifted over time, leading to restrictions imposed on it in many educational institutions.

There is no nationwide ban on student union elections in India. Different universities have varying rules, circumstances, and administrative systems. This is why discussions surrounding student politics are also characterized by wide variations. In 2006, a committee headed by former Chief Election Commissioner J.M. Lyngdoh, formed at the direction of the Supreme Court, presented some important recommendations for the conduct of student union elections. These included controlling election expenditure, eligibility of candidates, limiting external political interference, and ensuring a fair electoral process.

The Supreme Court accepted these recommendations and directed universities to develop student representation systems in accordance with established standards. The purpose of this legal regulation was not to restrict student politics, but to make it more transparent, accountable, and disciplined. Unfortunately, its impact was only partial. Due to this lack of multifaceted student participation in educational institutions, communication between students, faculty, and administration has weakened, and the level of ideological debate has also diminished.

The adverse effect of this has been the weakening of student leadership, which has given rise to student aggression and anarchy in these institutions. The aggressive nature of political competition in higher educational institutions is shifting from ideological dialogue to a display of power. While student politics once cultivated skilled leadership, external political interference, ethnic, religious, and ideological polarization, financial, muscle, and violence in many educational campuses have undermined its core objectives.

Student union elections are not only a means of electing student representatives, but also provide students with an opportunity to raise their issues, develop leadership, and understand democratic behavior. The need for a progressive increase in the quality of student dialogue and ideological debate is also crucial. Student organizations are expected to shape the academic environment and play a constructive role in the institution. While the right to protest is certainly important, preserving the dignity of dissent is equally crucial.

This balance creates an educational environment in an institution.

मुरादाबाद अस्पताल में हो गया हंगामा: लाइन में खड़े रहे मरीज, सिफारिश वालों को पहले लगे एंटी रेबीज के टीके



दो दिन के अवकाश के बाद जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ उमड़ी। एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंचे 210 लोगों को एआरवी ओपीडी के बाहर लाइन में लगना पड़ा। इस दौरान पीछे खड़े मरीजों और कथित तौर पर सिफारिश से पहुंचे लोगों को पहले इंजेक्शन लगाने पर हंगामा हो गया। जिला अस्पताल के एआरवी ओपीडी पर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए मंगलवार को 210 लोग पहुंचे। सुबह आठ बजे से ही मरीजों की लंबी कतार लग गई थी। इनमें कई लोग दूर-दराज के इलाकों से भी आए थे। इस बीच इंजेक्शन लगाने के दौरान लाइन में अव्यवस्था फैलने पर हंगामा शुरू हो गया।

आरोप है कि कतार में सबसे पीछे खड़े लोगों को बुलाकर इंजेक्शन लगाए जाने लगे। शुरुआत में एक-दो लोगों को इस तरह बुलाने पर किसी ने एतराज नहीं जताया, लेकिन बार-बार लाइन तोड़कर मरीजों को बुलाए जाने से कतार में खड़े लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।लोगों ने शोर मचाकर विरोध जताया, जिससे ओपीडी में हो-हल्ला होने लगा। बाद में ओपीडी प्रभारी और सुरक्षा कर्मियों ने मरीजों को समझाकर शांत कराया। सीएमएस ने बताया कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त स्टाफ की भी ड्यूटी लगाई जाएगी, ताकि मरीजों को परेशानी न हो और अव्यवस्था की स्थिति न बने।दूसरे शनिवार की ओपीडी 12 बजे तक थी और रविवार को अवकाश की वजह से सोमवार सुबह से ही जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ थी। इनमें एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाने 210 लोग पहुंचे थे। दोपहर एक बजे तक अन्य काउंटरों की तरह एआरवी ओपीडी के बाहर भी मरीजों की लंबी लाइन थी।

इसमें पुरुष और महिला सभी एक साथ लगे हुए थे। लोग उस वक्त नाराज हुए जब लाइन में पीछे खड़े मरीज आगे जाकर इंजेक्शन लगवाने लगे। कई तो ऐसे भी थे जो गाड़ियों से आए और सीधे भीतर चले गए। दीवान का बाजार से आए पवन कुमार का आरोप था कि उन्हें बंदर ने काट लिया था और दर्द हो रहा है।

एक घंटे से इंजेक्शन लगवाने के लिए लाइन में लगे हुए थे। वहीं, अस्पताल का स्टॉफ अपने जानने वाले मरीजों को पहले इंजेक्शन लगवाने के लिए लेकर जा रहे हैं। डबल फाटक निवासी सीताराम सैनी ने बताया कि उसके भतीजे को कुत्ते ने काट लिया था।

इंजेक्शन लगवाने के लिए लाइन में लगा हुआ है, लेकिन स्टॉफ बीच-बीच में सिफारिश वाले मरीजों को कमरे के अंदर भेज रहे हैं, जो व्यवस्था के हिसाब से सही नहीं है। जब इस बात पर आपत्ति की तो होमगार्ड ने उल्टे हमें ही धमका दिया। मरीज राकेश कुमार ने बताया कि उन्हें कुत्ते ने काट लिया था। वह वरिष्ठ नागरिक हैं, इसके बावजूद वह तो लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन जो लोग बाद में आए या लाइन में पीछे थे उन्हें पहले इंजेक्शन लगा दिया गया। बुद्धि विहार निवासी सुमन भी इंजेक्शन लगवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंची थी।उन्हें उनके पालतू कुत्ते ने ही काट लिया था। उनका कहना था कि वह दोपहर में जब अस्पताल में पहुंची थीं तो लाइन में आगे खड़ीं थीं। लेकिन जो उनके पीछे थे उन्हें पहले इंजेक्शन लगा दिया गया। लोदीपुर निवासी सौरभ भी इंजेक्शन लगवाने के लिए कहा था। सौरभ ने बताया कि उसे पहली डोज लगाई जानी थी। वह आधा घंटे तक लाइन में लगा रहा। लेकिन कई लोग ऐसे भी आए जो सीधे भीतर चले गए और इंजेक्शन लग गए। वहीं, प्रभारी एमके जैन ने बताया कि एक परिचित मिलने के लिए आए थे। मरीजों और तीमारदारों को गलतफहमी हो गई थी। तुरंत उनको समझाया तो वह शांत हो गए।

एक दिन के अवकाश की वजह से सोमवार को ज्यादा भीड़ थी। मैंने दो बार स्वयं निरीक्षण किया था। उस वक्त सब सामान्य था। फिर भी कहीं किसी मरीज को असुविधा हुई है तो मंगलवार से एक स्टॉफ की ड्यूटी व्यवस्थाओं को देखने के लिए लगा दी जाएगी। -डॉ. नीरज अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला अस्पताल

घर के बाहर खड़ी कार के नीचे आया ऐसा मेहमान, पूरी गली में मच गई खलबली



मुरादाबाद के मुगलपुरा इलाके में एक खड़ी कार के नीचे गीदड़ मिलने से हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ जुटी और पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद उसे निकालने का प्रयास किया गया।मुरादाबाद में कार के नीचे गीदड़ मिलने से हड़कंप- पुलिस और स्थानीय लोगों ने गीदड़ को निकालने का प्रयास किया वन विभाग ने जंगली जानवरों से दूरी बनाए रखने की सलाह दीघर के बाहर खड़ी कार के नीचे अचानक ऐसा मेहमान आ बैठा कि पूरी गली में हड़कंप मच गया। मुगलपुरा के रानी किशोरी फाटक इलाके में सोमवार रात कार के नीचे गीदड़ दिखाई दिया तो लोगों की भीड़ जुट गई। पहले तो लोगों को समझ नहीं आया कि अंधेरे में कार के नीचे कौन सा जानवर छिपा है। पास जाकर देखा तो गीदड़ था। इसके बाद उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू हो गई। गीदड़ को देखकर घबरा गए लोग- जंगली जानवर को आबादी के बीच देखकर लोग घबरा गए। सूचना पर पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों और स्थानीय निवासियों ने मिलकर गीदड़ को बोरे में कैद करने का प्रयास किया। गीदड़ कार के नीचे छिपा हुआ था। उसे बाहर निकालने की कोशिश के दौरान लोग सतर्क नजर आए। काफी देर तक इलाके में अफरातफरी का माहौल बना रहा।गीदड़ इंसानों से दूरी बनाकर रखता है वन क्षेत्राधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि गीदड़ आमतौर पर इंसानों से दूरी बनाकर रहता है। यह रात में अधिक सक्रिय होता है और भोजन की तलाश में आबादी वाले इलाकों तक पहुंच जाता है। जानवर इसका भोजन होते हैं।सामान्य परिस्थितियों में यह मनुष्य पर हमला नहीं करता, लेकिन घिरने, डरने या छेड़ने पर काट सकता है। ऐसे में इसके काटने से संक्रमण और रेबीज का खतरा भी हो सकता है। जंगली जानवर को खुद पकड़ने या भगाने के बजाय वन विभाग को सूचना दें।

UP-उत्तराखंड बॉर्डर के पीपली के जंगल में भट्ठी लगाकर तैयार हो रहे थे तमंचे, पुलिस की छापेमारी में दो गिरफ्तार, तीन फरार

रामपुर के पीपली जंगल में पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली भट्ठी पर छापा मारा, जहां से उत्तराखंड के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। मौके से कई तमंचे, एक देशी बंदूक, कारतूस और हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए।पीपली का जंगल अपराधियों के लिए कमाई का जरिया बन गया है। लकड़ी तस्कर यहां से खैर की तस्करी कर रहे हैं तो अवैध असलहे बनाने वालों के लिए यह सुरक्षित स्थान बन गया है। पुलिस ने मंगलवार को पीपली के जंगल में अवैध असलहे बनाते उत्तराखंड के दो लोगों को गिरफ्तार किया।इनके तीन साथी फरार हो गए। मौके से तीन तमंचे 12 बोर, एक देशी बंदूक, दो तमंचे 315 बोर, दो अधबने तमंचे और काफी संख्या में कारतूस मिले हैं। अवैध असलहे बनाने के उपकरण भी बरामद हुए हैं।पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि मिलक खानम पुलिस को जंगल में अवैध असलहे बनाने की सूचना मिली थी, जिस पर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम पदमपुर बार्डर पर छोटी मजार से आगे पहुंची।वहां टीम को पांच लोग भट्ठी जलाकर अवैध हथियार बनाने में जुटे थे। कोई लोहे को गर्म कर हथौड़े से पीट रहा था तो कोई तमंचे की नाल की घिसाई और पुर्जे जोड़ने का काम कर रहा था।पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपितों को मौके से पकड़ लिया, जबकि तीन लोग



जंगल की ओर भाग निकले। पकड़े गए आरोपितों ने अपने नाम धर्मेंद्र सिंह निवासी कलकत्ता/कलकत्ती थाना गदरपुर जिला ऊधमसिंह नगर उत्तराखंड और टीटू सिंह निवासी गुलाब सिंह का मझरा थाना किलाखेड़ा जिला ऊधमसिंह नगर बताए।इनके दो फरार साथियों की पहचान दर्शन सिंह निवासी गुलाब सिंह का मझरा और गुरमीत निवासी खुशालपुर थाना गदरपुर के रूप में हुई है। तीसरे फरार व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी। इस मामले में थाने में पांचों लोगों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।पकड़े गए धर्मेंद्र के खिलाफ मिलक खानम थाने में आबकारी और वन अधिनियम के मुकदमे दर्ज हैं। टीटू के खिलाफ वन अधिनियम और उत्तराखंड के किलाखेड़ा थाने में मुकदमे दर्ज हैं। फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रिश्ते को किया शर्मसार: पांच लाख की सुपारी देकर कराई कारोबारी पिता की हत्या, बेटे समेत तीन को उम्रकैद

मुरादाबाद के 12 साल पुराने प्लाईवुड कारोबारी नूर हसन हत्याकांड में अदालत ने बेटे मो. हसन समेत तीन आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। बेटे ने पिता की हत्या के लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी। अदालत ने मो. हसन पर 11 हजार और शूटर सुमित व छत्रपाल पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कटघर में बारह साल पुराने प्लाईवुड कारोबारी नूर हसन हत्याकांड में सोमवार को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश-03 सुरेंद्र कुमार की अदालत ने फैसला सुनाया। अदालत ने पांच लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या कराने वाले कारोबारी के बेटे मो. हसन, शूटर सुमित और छत्रपाल को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।अदालत ने तीनों पर जुर्माना भी लगाया है। कटघर थानाक्षेत्र के रहमत नगर गली नंबर दो निवासी नूर हसन दस सराय पुलिस चौकी के पास प्लाईवुड एंड फर्नीचर की दुकान चलाते थे। दुकान के पास ही उनका गोदाम था। 13 मई 2014 की रात करीब नौ बजे दुकान में ही नूर हसन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।इस मामले में नूर हसन के बेटे मो. हसन ने अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि दुकान में बदमाश घुसे और करीब डेढ़ लाख रुपये लूटने के बाद उसके पिता की हत्या कर भाग गए। कटघर थाने की पुलिस ने इस मामले में गहनता से जांच की तो कारोबारी के बेटे एवं केस के वादी मो. हसन पर शक गहराया। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर मो. हसन को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि मेरे गलत चाल चलन की वजह से पिता ने खर्च के लिए रुपये देने बंद कर दिए थे। इस बात से वह अपने पिता से नाराज था। इसके बाद मो. हसन ने दुकान पर काम करने वाले कटघर के डबल फाटक दस सराय गली नंबर दो निवासी छत्रपाल को अपने पिता की हत्या करने की सुपारी दे दी थी। इसके बाद छत्रपाल ने अपने मोहल्ले के सुमित और एक नाबालिग के साथ मिलकर गोली मारकर कारोबारी की हत्या की थी। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले की सुनवाई एडीजे-3 सुरेंद्र कुमार की अदालत में चली।अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सोमवार को कारोबारी के बेटे मो. हसन, शूटर सुमित, छत्रपाल को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। सुमित और छत्रपाल पर 10-10 हजार रुपये और मो. हसन पर 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। इस मामले में चौथे नाबालिग आरोपी की फाइल दूसरी कोर्ट में विचाराधीन है।पत्नी, बेटा, बेटी, दामाद की गवाही रही अहम-मुरादाबाद। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता दिनेश कुमार ने बताया कि इस मामले में विवेचक ने मृतक की पत्नी जहरा बी, बेटे दानिश, बेटी गुलफशा और दामाद उमर फारूख, पोस्टमार्टम कराने वाले डॉक्टर समेत 19 गवाह बनाए गए थे। इस मामले में दस लोगों ने कोर्ट पहुंचकर गवाही दी। इसमें सबसे अहम मृतक की पत्नी, बेटी, बेटे, दामाद की गवाही रही। जिन्होंने कोर्ट में बताया कि मो. हसन ने सुपारी देकर प्लाईवुड कारोबारी की हत्या कराई थी।



हादसे की रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर। नैनीताल हाईवे पर दो दिन पहले एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार हाफिज आशिक नबी की मौत हो गई थी। उनके भतीजे सिफत नवी ने ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।सिफत नवी ने कोतवाली में बताया कि उनके चाचा हाफिज आशिक नबी (45) 14 नवंबर को हल्द्वानी से नगलिया आकिल आ रहे थे। स्कूटी को अलीनगर हल्द्वानी निवासी अमीरुद्दीन चला रहा था। नई मंडी के पास नैनीताल हाईवे पर करीब एक बजे ट्रक चालक ने लापरवाही से स्कूटी में पीछे से टक्कर मारी। इस हादसे में हाफिज आशिक नबी की मौत हो गई और अमीरुद्दीन घायल हो गए। सीओ पीपी सिंह ने बताया कि पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला महाजनान वार्ड संख्या-07 तहसील, बिलारी स्थित भवन संख्या-316 जो गृहकर अभिलेखों में श्रीमती राजकली पत्नी स्व0 श्री रामजीमल निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है पर कु0 प्रियंका चौधरी, सलोनी चौधरी, नन्दनी चौधरी व शुभम चौधरी पुत्री/पुत्र श्री स्व0 धर्मेन्द्र कुमार आजाद निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन को गृहकर अभिलेखों में श्रीमती सुमन कोर पत्नी स्व0 धर्मेन्द्र कुमार आजाद निवासी ग्राम सिहारी माला हाल निवासी मोहल्ला महाजनान कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-28/09/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साथ में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान की छायाप्रति संलग्न की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	316	महाजनान	श्रीमती राजकली पत्नी स्व0 श्री रामजीमल	श्रीमती सुमन कोर पत्नी स्व0 श्री धर्मेन्द्र कुमार आजाद

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रेड रोजेज पब्लिक स्कूल के नवनिर्मित भवन का सांसद श्रुति गंगवार ने किया लोकार्पण

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के रेड रोजेज पब्लिक स्कूल में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार, एमएलसी महाराज सिंह, विधायक डॉ. डीसी वर्मा एवं भाजपा ब्रज क्षेत्र की मंत्री शुभासनी जायसवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष सोमपाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रबंधक अजय सक्सेना ने सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।



कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक पेश की। उनकी शानदार प्रस्तुतियों पर उपस्थित अतिथियों एवं लोगों ने तालियां बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।इस अवसर पर सांसद श्रुति गंगवार ने कहा कि शिक्षा के विस्तार से ही समाज और राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित होता है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए और मोबाइल में समय बर्बाद करने के बजाय अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के बारे में सोचना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान प्रेस क्लब की ओर से भी राज्यसभा सांसद श्रुति गंगवार को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रियंका सक्सेना ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन राहुल युद्धवंशी ने किया।

इस मौके पर धर्म विजय गंगवार,पूर्व चेयरमैन केपी मौर्य, मेजर सुशील कुमार सक्सेना,रमन कुमार जायसवाल,मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, सिंटू सिंह, राजीव मिश्रा, अंकित भारद्वाज, सिंटू पाठक,केपी राना, दिनेश पांडेय,सुदीप गुप्ता प्रेमपाल गंगवार,सौरभ पाठक, इमरान अंसारी,अतहर हुसैन विद्यालय का स्टॉफ एवं अभिभावक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने की महामुहिम : डीएम ने राजनीतिक दलों को दिए सक्रिय होने के निर्देश, 4 जनवरी को जारी होगी अंतिम सूची

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो)जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की तैयारियों की समीक्षा की। जिले में जनसंख्या के अनुपात में कम मतदाताओं को देखते हुए डीएम ने बूथ लेवल एजेंटों आशा, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सभासदों को क्षेत्र में भ्रमण कर पात्र युवाओं के फॉर्म-6 भरवाने के निर्देश दिए।अहम तारीखें और नियम-प्रक्रिया- 17 नवम्बर से 16 दिसम्बर 2026 तक दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। 28 दिसम्बर को निस्तारण के बाद 04 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी।विशेष अभियान- 21, 22, 28 और 29 नवम्बर को सभी 3807 बूथों पर बीएलओ फॉर्म-6, 7 और 8 के साथ मौजूद रहेंगे।? बीएलए एक बार में 10 और कुल अधिकतम 30 फॉर्म-6 जमा कर सकेंगे। गलत जानकारी या मिथ्या घोषणा (फॉर्म-7) करने पर एक साल की जेल या जुर्माने का प्रावधान है। बैठक में डीएम ने जनगणना-2027 के तहत स्व-गणना के प्रति लोगों को जागरूक करने और 20 नवम्बर से शुरू हो रहे ईवीएम प्रशिक्षण में शामिल होने की अपील की। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ और प्रगणकों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस दौरान एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

चार साल से फरार 25 हजार का इनामी बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) सुभाषनगर थाना पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने पिछले चार वर्षों से फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी वांछित अपराधी रजत गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। साल 2022 में 1 अगस्त की रात बदमाशों ने मढ़ीनाथ इलाके में छत के रास्ते एक घर में घुसकर मारपीट की थी और नकदी, जेवरात व बाइक लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस ने रजत के दो साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी रजत गुप्ता लगातार ठिकाने और पहचान बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। हाल ही में एसएसपी बरेली ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। खंडहर से हुई गिरफ्तारी और बरामदगी-बीती रात करीब साढ़े नौ बजे मुखबिर की सटीक सूचना पर सुभाषनगर पुलिस टीम ने गन्ना मिल के अंदर स्थित खंडहर के पास घेराबंदी कर मूल रूप से पीलीभीत निवासी रजत गुप्ता (उम्र 30 वर्ष) को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपी ने लूट की वारदात कबूल करते हुए बताया कि हिस्से में आए 40 हजार रुपये वह खर्च कर चुका है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए बदमाश पर लूट और गैंगस्टर एक्ट समेत कुल 8 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरेली में आज सुबह सात बजे से बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, पुराना बस अड्डा रहेगा बंद

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) बरेली, संवाददाता। शहर में बुधवार (18 नवंबर) को प्रस्तावित वीआईपी व वीवीआईपी कार्यक्रम के मद्देनजर यातायात पुलिस ने रूट डायवर्जन लागू किया है। यह व्यवस्था सुबह 7:00 बजे से कार्यक्रम की समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान पुराना रोडवेज बस स्टैंड (नॉवेल्टी) से बसों का संचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा और सभी बसें केवल सैटेलाइट बस स्टैंड से ही चलेंगी।

शहर में नो-एंट्री- परसाखेड़ा रोड नंबर-01, विल्वा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्टनगर, रामगंगा तिराहा और बुखारा मोड़ से भारी वाहनों का शहर में प्रवेश बंद रहेगा।

दिल्ली, रामपुर, नैनीताल, पीलीभीत, लखनऊ और शाहजहांपुर की ओर से आने वाली सभी बसें बड़ा बाईपास व इनवर्टिस तिराहा होते हुए सीधे सैटेलाइट बस स्टैंड तक ही आ-जा सकेंगी। बदायूं जाने वाली बसें सैटेलाइट से इनवर्टिस तिराहा, फतेहगंज पूर्वी, बुखारा मोड़ व देवचरा चौराहा होकर चलेंगी।

भारी वाहन- दिल्ली, रामपुर, नैनीताल और पीलीभीत से बदायूं जाने वाले भारी वाहन बड़ा बाईपास से फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज व देवचरा होते हुए भमौरा के रास्ते निकलेंगे। वहीं, दिल्ली-लखनऊ के बीच चलने वाले भारी वाहन बड़ा बाईपास का इस्तेमाल करेंगे और बदायूं से आने वाले भारी वाहन भमौरा, देवचरा, दातागंज व फतेहगंज पूर्वी होते हुए ट्रांसपोर्टनगर तक आ सकेंगे।

?यातायात पुलिस ने वाहन चालकों व आमजन से अपील की है कि असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

सड़कों पर उतरेगी सपा, 22 नवंबर से बरेली में शुरू होगा PDA का बड़ा अभियान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) समाजवादी पार्टी मुलायम सिंह यादव की स्मृति में बरेली की सड़कों पर अपनी ताकत दिखाने उतरेगी। 22 नवंबर से जिले की विधानसभा सीटों पर पदयात्राओं का सिलसिला शुरू होगा। गांवों से लेकर शहर की गलियों तक सपा कार्यकर्ता पहुंचेंगे। पार्टी ने इसके लिए पूरा कार्यक्रम तैयार कर लिया है। जिला इकाई के साथ महानगर संगठन भी अलग-अलग इलाकों में पदयात्रा निकालकर लोगों के बीच पहुंचेगा।सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने पार्टी कार्यालय पर बताया कि पीडीए जनचेतना यात्रा की शुरुआत 22 नवंबर को फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से होगी। इसकी कमान विधानसभा अध्यक्ष बलराम सिंह यादव संभालेंगे। इसके बाद 24 नवंबर को भोजीपुरा, 25 नवंबर को बिथरी चैनपुर, 27 नवंबर को मीरगंज और 30 नवंबर को नवाबगंज में पदयात्रा निकाली जाएगी।दिसंबर में भी जारी रहेगा पदयात्राओं का सिलसिला-एक दिसंबर को बहेड़ी, तीन दिसंबर को आंवला, पांच दिसंबर को बिथरी चैनपुर, सात दिसंबर को नवाबगंज, नौ दिसंबर को बहेड़ी और 12 दिसंबर को मीरगंज में सपा कार्यकर्ता पदयात्रा निकालेंगे। इसके बाद 14 दिसंबर को बिथरी चैनपुर, 16 दिसंबर को फरीदपुर, 17 दिसंबर को आंवला, 19 दिसंबर को भोजीपुरा, 21 दिसंबर को बिथरी चैनपुर और 22 दिसंबर को फरीदपुर में पदयात्रा निकाली जाएगी। महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने बताया कि शहर और कैंट विधानसभा क्षेत्रों में 23 नवंबर से छह दिसंबर तक पदयात्राओं का कार्यक्रम चलेगा। इसकी शुरुआत 23 नवंबर को सपा कार्यालय से कुतुबखाना घंटाघर तक होगी। 24 नवंबर को तिलक इंटर कॉलेज से कुतुबखाना और बांसमंडी होते हुए श्यामगंज चौराहे पर महेंद्र सिंह के प्रतिष्ठान तक पदयात्रा पहुंचेगी।

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को बांटे टेबलेट

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (ब्यूरो) एसआरएम राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय बांसमंडी में सोमवार को 100 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के समापन समारोह तथा स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना डिजी शक्ति के अंतर्गत टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष विधिवत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने एसआरएम आयुर्वेदिक कॉलेज के छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक का सदुपयोग कर शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही 100 दिवसीय नशा मुक्ति अभियान के समापन पर उन्होंने समाज को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने का संदेश दिया। इस दौरान एसआरएम आयुर्वेदिक कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सुनीति चौधरी, डॉ. दीपशिखा जोशी, डॉ. प्रणव गौतम, डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. निकिता, डॉ. शान्तुल गुप्ता एवं प्रोफेसर सीमा सहित अन्य गणमान्य शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

खनिज माफियाओं पर प्रशासन ने बिना परमिट दौड़ते चार डंपर/वाहन किए सीज

बरेली। (ब्यूरो) जिलाधिकारी अविनाश सिंह के सख्त निर्देशों पर अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार सुबह खान अधिकारी मनीष कुमार ने झुमका तिराहे के पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना वैध ई-परिवहन प्रपत्र (ISTP) के खनिज ले जा रहे 04 वाहनों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। प्रशासन ने सभी जब्त वाहनों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थाना सीबीगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।



आज से सजेगा दस दिवसीय 'खादी एवं स्वावलम्बन उत्सव, प्रवेश नि:शुल्क

बरेली। (ब्यूरो) उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से पी.एम. श्री राजकीय इण्टर कॉलेज परिसर में 18 से 27 नवम्बर तक मण्डल स्तरीय प्रदर्शनी 'खादी ए व स्वावलम्बन उत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन आज 18 नवम्बर दोपहर 2 बजे मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल करेंगे। उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रदर्शनी सुबह 10 से रात 9 बजे तक आम लोगों के लिए नि:शुल्क खुली रहेगी। इसमें बरेली की जरी व फर्नीचर, खुर्जा की क्रॉकरी, मुरादाबाद का ब्रास, भदोही के कालीन, बनारसी साड़ियों और कश्मीरी शॉल सहित कई राज्यों के हस्तशिल्प, खादी वस्त्र और माटीकला उत्पाद उपलब्ध रहेंगे। साथ ही, प्रतिदिन लोकनृत्य, गायन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

विदिशा में प्रथम नगर आगमन पर रघुवंशी समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का भव्य स्वागत-सम्मान

विदिशा।(हाकम सिंह रघुवंशी) अखिल भारतीय रघुवंशी समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आदरणीय श्री रामेश्वर सिंह जी (वकील साहब, उदयपुरा) के विदिशा प्रथम नगर आगमन पर जिला रघुवंशी समाज द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के राष्ट्रीय सचिव श्री खुमान सिंह जी, लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री प्रहलाद सिंह जी तथा युवा इकाई के जिलाध्यक्ष श्री रविंद्र रघुवंशी जी का भी समाजजनों ने आत्मीय अभिनंदन किया। स्वागत समारोह में रघुवंशी परमार्थ सेवा ट्रस्ट के पूर्व सचिव श्री मोहर सिंह जी (मानौरा) एवं ग्राम चितौरिया के सरपंच श्री गुलाब सिंह जी सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन व युवा उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर संगठन की मजबूती और समाज के उत्थान पर चर्चा की गई।



गंगा स्नान मेले को लेकर थाना डिलारी प्रभारी निरीक्षक ने किया घाट और मेला स्थल का निरीक्षण

@ क्यूँ न लिखूँ सच



डिलारी (मुरादाबाद)। आगामी 24 नवंबर 2026 को गंगा स्नान पर्व के मद्देनजर थाना डिलारी पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को थाना डिलारी प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम गक्खरपुर स्थित रामगंगा नदी पर पहुंचकर स्नान घाट सहित मेले से जुड़े विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक ने रामगंगा नदी के स्नान घाट, घाट तक जाने वाले रास्तों, मेला स्थल, पुल और पार्किंग स्थल का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, ताकि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन और वाहनों की पार्किंग को लेकर भी स्थलों की स्थिति देखी गई। प्रभारी निरीक्षक ने संबंधित व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने पर जोर दिया, जिससे गंगा स्नान पर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सके।

मधुबन गौशाला धाम में गोपाष्टमी पर हुआ गोसेवा का आयोजन

परमेश्वर लाल सैनी ने गौवंशों को चारा और गुड़ खिलाकर की सेवा, बोले- गौसेवा भारतीय संस्कृति की पहचान







@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी

। अमरपुर काशी गांव स्थित मधुबन गौशाला धाम में मंगलवार को गोपाष्टमी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रसिद्ध कथावाचक एवं ज्योतिषाचार्य पंडित ओम कृष्ण शास्त्री ने विधि-विधान से गौ माता की पूजा-अर्चना कर किया।

उन्होंने गौ माता को तिलक लगाकर गुड़ खिलाया। इस अवसर पर पूर्व एमएलसी एवं भाजपा नेता परमेश्वर लाल सैनी गौशाला पहुंचे और गौवंशों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर गोसेवा की।

उन्होंने गौशाला संचालक तेज भान सिंह राघव एवं उनकी धर्मपत्नी राधिका राघव के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए आभार जताया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में गौवंशों की निस्वार्थ भाव से सेवा करना सराहनीय कार्य है। परमेश्वर लाल सैनी ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक है। गोसेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि पर्यावरण और समाज के कल्याण से भी जुड़ी हुई है। इससे मनुष्य में करुणा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी से गौवंशों की सेवा और संरक्षण के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान ध्रुव शर्मा, पवन कोहली, मुनेश शर्मा, गौरव यादव, अमन सक्सेना, अशोक यादव, अर्जुन राघव तथा डॉक्टर सीपी सिंह के प्रतिनिधि सहित अन्य लोगों ने गौवंशों को गुड़ और हरा चारा खिलाकर गोसेवा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भारत इंटरनेशनल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, यातायात गीत और लघु नाटिका बनी आकर्षण का केंद्र; आरटीओ राजेश सिंह ने विजेता बच्चों को दिया आशीर्वाद







@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी। क्षेत्र के ग्राम जटपुरा झारू स्थित भारत इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को प्रतिभा सम्मान सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आरटीओ मुरादाबाद राजेश सिंह, विशिष्ट अतिथि एआरटीओ प्रशासन आञ्जनेय सिंह, एआरटीओ परिवहन संदीप कुमार पंकज, निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य बिलारी मंजू रानी चौधरी, एफएसएस चेयरमैन भवेश चौधरी, पूर्व प्रथमा बैंक प्रबंधक राजेंद्र सिंह एवं समरपाल सिंह ने विद्यालय अध्यक्ष कुलवंत सिंह चाहल, प्रबंधक शुभम चौधरी और प्रधानाचार्या सुहासिनी सिंह के साथ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ, पटका और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया।

विद्यालय की ओर से आयोजित आंतरिक मूल्यांकन प्रतिभा पर्व के अंतर्गत विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इनमें यातायात गीत, सोशल मीडिया पर आधारित लघु नाटिका और पार्वती गीत विशेष आकर्षण रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया।समारोह में खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इनमें खो-खो, लेमन रेस, रस्साकशी और बैलेंस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी शामिल रहे। जन्माष्टमी पर आयोजित राधा-कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता में गार्गी-आर्यांश ने प्रथम, नित्या-भक्ति ने द्वितीय तथा श्रीजी-भक्ति सिंह और सोनाक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा मटका, बांसुरी, राखी, दीपक, आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली, पोस्टर और क्ले आर्ट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा छह और सात में पूरे वर्ष शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए पलक और सुमित गौतम को सम्मान मिला। अभिनय में सभ्यता, स्केच में प्रिंस और दृष्टि, एक दिवसीय प्रिंसिपल के रूप में अनुषा तथा पोस्टर प्रतियोगिता में आयुषी, अन्नत, गुनगुन और डिंपल ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्ले आर्ट में ऋषभ को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि आरटीओ राजेश सिंह ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्या सुहासिनी सिंह ने किया। अंत में समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् के साथ कार्यक्रम का समापन किया।

किशन लाल प्रजापति को पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला मंत्री बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी । ढकिया नरू स्थित कैंप कार्यालय पर किशन लाल प्रजापति को भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा का जिला मंत्री बनाए जाने पर बिलारी क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत समारोह आयोजित कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पटका पहनाकर और मिठाई खिलाकर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी और वरिष्ठ सभासद राकेश यादव ने किशन लाल प्रजापति को पटका पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस अवसर पर किशन लाल प्रजापति ने सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने उन्हें जो सम्मान और स्नेह दिया है, उसके लिए वह हृदय से आभारी हैं। वह संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। विधानसभा प्रभारी पंकज गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में जनसंपर्क बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता क्षेत्र में भ्रमण कर संगठन को मजबूत बनाने तथा भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन बढ़ाने का कार्य करें। इस मौके पर सभासद राकेश यादव, प्रवेश प्रजापति, ब्रजरतन सिंह, नामित सभासद दिनेश प्रजापति, डॉ. जितेंद्र दक्ष, गन्ना समिति के डायरेक्टर राकेश कुमार कश्यप, भाजपा जिला संयोजक देशराज सिंह प्रजापति, पुष्कर बंधु, राजेश प्रजापति, अंकुश प्रजापति सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर एसडीएम कार्यालय में हुई बैठक



बिलारी । मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर एसडीएम कार्यालय में बैठक आयोजित की। बैठक में मतदाता सूची के पुनरीक्षण तथा अधिक से अधिक पात्रों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने को लेकर चर्चा की गई। मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित कर दिया गया। सोलह दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, नाम हटवाने तथा त्रुटियों में संशोधन के लिए दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन चार जनवरी को होगा।बैठक में विशेष अभियान के तहत 21, 22, 28 और 29 नवंबर को बूथों पर विशेष कैंप आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई। इन कैंपों में बीएलओ मौजूद रहकर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान करेंगे। बताया गया कि नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6, मतदाता सूची से नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम, उम्र, फोटो एवं पते में संशोधन कराने के लिए फॉर्म-8 भरा जाएगा । जिन युवाओं की आयु एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरी हो रही है, वे भी मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बैठक में विधायक मोहम्मद फहीम इरफान, सपा जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद उस्मान एडवोकेट, प्रशांत गुप्ता, मीम पार्टी की ओर से शाकिर हुसैन, बहुजन समाज पार्टी की ओर से डा चरन सिंह, रामखिलाड़ी एवं घनेंद्र पाल सिंह तथा भारतीय जनता पार्टी की ओर से मंडल अध्यक्ष विकास गुप्ता, पारस शर्मा एवं रामनरेश मौजूद रहे।

बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर शिवसैनिकों ने किया नमन

बिलारी । शिवसेना बिलारी की ओर से मंगलवार को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर शिवसेना के जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा और जिला उप प्रमुख राजीव सक्सेना के नेतृत्व में शिवसैनिकों ने बालासाहेब ठाकरे के स्मृति चित्र पर तिलक लगाकर माल्यार्पण किया तथा पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे हम सभी के आदर्श थे, हैं और सदैव रहेंगे। सभी शिवसैनिकों को उनके बताए मार्ग और दिशा-निर्देशों पर चलकर घर-घर भगवा ध्वज लगाना चाहिए। साथ ही देशसेवा के लिए तन-मन-धन से सदैव तत्पर रहना चाहिए।जिला उप प्रमुख राजीव सक्सेना ने कहा कि बालासाहेब ठाकरे हम सभी शिवसैनिकों के हृदय में बसते हैं। उनके विचार और कार्य हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। सभी शिवसैनिक उनके चरणों में नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम में अरुण ठाकुर, महेश सिंह, हरि बाबू, सौरव सक्सेना, संतोष कुमार, सुशील शर्मा, रवि शंकर रस्तोगी, अभिषेक शर्मा, संजय गुप्ता, अमित गुप्ता, मनोज गुप्ता, मयूर गुप्ता, भूरा भाई, निहाल सिंह, विशाल गुप्ता, पुखराज गुप्ता और राजीव ठाकुर सहित काफी संख्या में शिवसैनिक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ब्यूटीफुल लेडीज क्लब नेक्षबच्चों को बांटे उपहार।

मुरादाबाद @ क्यूँ न लिखूँ सच ब्यूटीफुल लेडीज क्लब द्वारा रामगंगा विहार स्थित पाठशाला डे बोर्डिंग स्कूल में अध्ययनरत सभी बच्चों के लिए



उपहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. बबिता गुप्ता एवं अध्यक्ष डॉ. पायल पुरी ने क्लब की ओर से सभी बच्चों को उपहारों से भरे गिफ्ट हैम्पर वितरित किए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। क्लब की सचिव डॉ. रितु श्रीधर ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के साथ खुशियां बांटना, शिक्षा व सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत संस्थाओं का उत्साहवर्धन करना है। क्लब की कोषाध्यक्ष डॉ. रूबी चुग ने कहा कि ब्यूटीफुल लेडीज क्लब की सदस्याएं सदैव सामाजिक वं जनकल्याणकारी कार्यों में बढ़-चढ़कर अपना योगदान देती रही हैं। क्लब भविष्य में भी इसी प्रकार समाज के जरूरतमंद वर्गों के उत्थान एवं सेवा के कार्य निरंतर करता रहेगा।

कार्यक्रम के अन्त क्लब की संस्थापक अध्यक्ष नें सभी सदस्यों व शिक्षको का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य डॉ. शिवानी गर्ग, डॉ. निधि ठाकुर, डॉक्टर शिल्पा अग्रवाल, डॉक्टर प्रीति गुप्ता,डॉक्टर संगीता मदान, सहित अन्य सदस्य रहे।

ब्लॉक स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में सोनकपुर की छात्रा अब्बल

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । किसान इंटर कॉलेज कुंदरकी में ब्लॉक स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ,जिसमें आर0 एस0 एम0 इन्टर कॉलेज सोनकपुर कुंदरकी तहसील बिलारी





की दसवीं की छात्रा आंशिक सैनी ने इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह छात्रा जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उन्नीस नवंबर को एस0 एस0 इंटर कॉलेज मुरादाबाद में प्रतिभाग करेगी

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने मनाया गोपाष्टमी पर्व

बिलारी @ क्यूँ न लिखूँ सच । अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने नगर के सरस्वती विहार में गोपाष्टमी पर्व श्रद्धा भाव से मनाया। इस अवसर पर गोवंश की रक्षा का संकल्प दोहराया गया। राष्ट्रीय गौ रक्षा परिषद मेरठ प्रांत के उपाध्यक्ष ठाकुर सुरेंद्र सिंह ने कहा गाय हमारी माता है इससे हमारे देश और धर्म का नाता है किसी भी हालत में हम गाय को नहीं कटने देंगे और देश को नहीं बंटने देंगे।

उन्होंने बताया आज ही के दिन कृष्ण भगवान ने शांडिल्य ऋषि की प्रेरणा से गौ चराने की इच्छा प्रकट की थी और गोपाष्टमी के दिन ही गौ चारण शुरू किया था तभी से गोपाष्टमी का पर्व मनाया जाता है। प्रत्येक हिंदू को गाय पालनी चाहिए क्योंकि गाय के शरीर में देवी देवताओं के वास है गाय का दूध बुद्धि और शक्ति वर्धक है गाय को स्नान कराकर गुड चना खिलाया, पूजा की गई।

बैठक की अध्यक्षता नरेश चंद्र शर्मा सेफनी, संचालन पप्पू सुपारी ने किया। बैठक में अजीत प्रताप सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, आदित्य प्रताप सिंह, पार्थ ठाकुर, लक्ष्य, राजीव सिंह, ऋषिपाल सिंह, सरजीत सिंह, अनुज कुमार सिंह आदि रहे।

मिशन शक्ति को मिलेगी नई रफ्तार, महिला सुरक्षा के लिए जालौन पुलिस को मिलीं दो स्कूटी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



(नीरज कुमार) महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा मिशन शक्ति अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी समीर ने कलेक्ट्रेट परिसर से महिला पुलिस कर्मियों की सुविधा एवं गश्त को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दो स्कूटी पुलिस विभाग को उपलब्ध कराईं। जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने हरी झंडी दिखाकर स्कूटियों को रवाना किया। ये स्कूटी इंडियन बैंक एवं भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) इनिशिएटिव के तहत एक-एक उपलब्ध कराई गई हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि भैया दूज के पर्व के बाद जनपद की माताओं एवं बहनों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मिशन शक्ति फेज-6 के अंतर्गत यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने जनपद में कार्यभार ग्रहण करने के बाद माधौगढ़ तहसील में अपना पहला थाना दिवस आयोजित किया था, उसी दौरान माधौगढ़ थाने में मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। तभी महिला पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता और पहुंच को बेहतर बनाने के लिए स्कूटी उपलब्ध कराने का विचार आया था। इसी क्रम में इंडियन बैंक एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से दो स्कूटी प्राप्त हुई हैं, जिन्हें पुलिस अधीक्षक के माध्यम से आवश्यकता के अनुसार संबंधित थानों में उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।जिलाधिकारी ने कहा कि इन स्कूटियों से महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की गश्त अधिक प्रभावी होगी। स्कूलों और कॉलेजों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने के साथ ही किसी भी शिकायत अथवा घटना की सूचना पर कम समय में मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग और विकास विभाग सहित सभी विभाग जिला प्रशासन के अभिन्न अंग हैं। विभागों के बीच बेहतर समन्वय और एक-दूसरे को आवश्यक सहयोग देने की भावना से यह पहल की गई है। पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के प्रति संवेदनशील है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से उपलब्ध कराई गईं दोनों स्कूटियों से महिला पुलिस कर्मियों की दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच आसान होगी और अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में सहायता मिलेगी। पुलिस में भी महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती बढ़ाई जा रही है, जिससे शहर के प्रमुख चौराहों पर महिला कांस्टेबल भी ड्यूटी करती नजर आएंगी। स्कूटी के माध्यम से महिला पुलिस कर्मी एक से अधिक चौराहों एवं आसपास के क्षेत्रों में आसानी से पहुंच सकेंगी। वाली महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा का भाव मजबूत होगा और जरूरत पड़ने पर उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

सहसवान में रोजगार मेले में 223 युवाओं का चयन

जनपद में बदायूँ जिला सेवायोजन कार्यालय बदायूँ, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विधानसभा स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन प्रमोद इंटर कॉलेज, सहसवान परिसर में किया गया। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सहसवान विक्रान्त यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने रोजगार मेले में प्रतिभाग करने आए अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कंपनियों में रोजगार की उपलब्ध संभावनाओं के बारे जानकारी दी तथा युवाओं को इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। रोजगार मेले में कुल 14 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। इसमें 515 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराकर साक्षात्कार में प्रतिभाग किया, जिनमें से 223 युवाओं का चयन/शॉर्टलिस्ट किया गया। इस अवसर पर प्रमोद इंटर कॉलेज सहसवान के प्रबंधक आमोद कुमार रैण्डर, उपप्रबंधक सुरेश चन्द्र सक्सेना, प्रधानाचार्य रामसहाय बिन्द, नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन सुरेन्द्र कुमार वार्ष्णेय, जिला सेवायोजन अधिकारी शशिकान्त यादव तथा कौशल विकास मिशन के विकासखंड परियोजना प्रबंधक अंकित यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अंकित यादव ने किया। रोजगार मेले में नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई एवं कौशल विकास मिशन तथा जिला सेवायोजन कार्यालय का समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहा।





जिला कारागार का साप्ताहिक निरीक्षण कर बंदियों की समस्याएं सुनीं, शीघ्र विधिक सहायता उपलब्ध कराने के दिए निर्देश



@ क्यूँ न लिखूँ सच

उरई, (नीरज कुमार)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन की सचिव श्रीमती मनाली चन्द्रा ने मंगलवार को जिला कारागार उरई का साप्ताहिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जेल की विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर निरुद्ध बंदियों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनकी समस्याओं, मुकदमों की स्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता की जानकारी ली। साथ ही जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सचिव मनाली चन्द्रा ने विशेष रूप से ऐसे बंदियों की स्थिति पर ध्यान दिया, जिन्हें सक्षम न्यायालय से जमानत मिल चुकी है, लेकिन जमानतगीर उपलब्ध न होने के कारण वे अभी तक जेल से रिहा नहीं हो सके हैं। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि ऐसे सभी बंदियों की सूची तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए, ताकि उनकी रिहाई के लिए प्रभावी पैरवी की जा सके। आर्थिक रूप से कमजोर बंदियों की जमानत राज्य की ओर से जिला अधिकार प्राप्त समिति के माध्यम से कराए जाने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बंदियों से उनके मुकदमों की पैरवी, निजी अधिवक्ता की उपलब्धता तथा विधिक सहायता और परामर्श के संबंध में जानकारी ली। साथ ही निर्देश दिए कि जिन बंदियों के पास निजी अधिवक्ता नहीं हैं अथवा जिनके मुकदमों की प्रभावी पैरवी नहीं हो पा रही है, उन्हें नियमानुसार निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

महिला बंदियों तथा उनके साथ रह रहे बच्चों के स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाओं और खान-पान की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। इसके अलावा मुलाकाती स्थल का निरीक्षण करते हुए बंदियों से मिलने आए परिजनों की सहायता के लिए स्थापित लीगल एड हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली भी देखी। सचिव ने कुछ बंदियों से अलग-अलग बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं, हालांकि किसी भी बंदी ने कोई विशेष समस्या नहीं बताई।अधीक्षक श्री प्रशान्त मौर्या, कारापाल श्री प्रदीप कुमार, उपकारापाल श्री अमर सिंह एवं श्रीमती सुखवती तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन के लिपिक श्री शुभम् शुक्ला सहित जेल प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मेला ककोड़ा में विधि-विधान से हुआ झंडी पूजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूँ में रूहेलखंड के मिनी कुंभ के नाम से प्रसिद्ध मेला ककोड़ा में मंगलवार को मां ककोड़ा देवी मंदिर से झंडी लाकर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन कर उसकी स्थापना की गई। जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में धार्मिक परंपराओं के अनुसार झंडी पूजन संपन्न हुआ। तदोपरान्त समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ मेले को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु समीक्षा बैठक की गई। मेले का औपचारिक उद्घाटन 23 नवंबर को होगा तथा 24 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मुख्य स्नान संपन्न होगा। मेला आगामी 01 दिसंबर तक चलेगा।

झंडी पूजन के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा सिंह ने जनपदवासियों से अधिक से अधिक संख्या में मेला ककोड़ा पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मेले में सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पूरे मेला क्षेत्र को छह जोन में विभाजित किया गया है तथा यातायात के लिए अलग से जोन निर्धारित किया गया है। विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं। गंगा स्नान के लिए सुरक्षित क्षेत्र निर्धारित किया गया है, जहां पुलिस एवं गोताखोरों की व्यवस्था रहेगी। झूलों की सुरक्षा जांच भी कराई गई है। महिला श्रद्धालुओं की सहायता के लिए मिशन शक्ति केंद्र तथा खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं। मेला थाना एवं पुलिस चौकियों के माध्यम से 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त मोबाइल एंबुलेंस एवं मोबाइल फायर ब्रिगेड की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने श्रद्धालुओं से निर्धारित स्नान क्षेत्र में ही स्नान करने तथा किसी भी समस्या पर पुलिस एवं प्रशासन से संपर्क करने की अपील की।

मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने बताया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। साफ-सफाई के लिए 24 घंटे सफाई कर्मियों की टीम तैनात रहेगी। पेयजल के लिए मोबाइल वाटर टैंकर, मोबाइल शौचालय एवं महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। चिकित्सा सुविधाओं के अंतर्गत 10 बेड का अस्थायी अस्पताल एवं लेबर रूम भी बनाया गया है। इसके साथ ही प्रकाश व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसी गतिविधियों की सूचना मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। श्रद्धालुओं से सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा गंगा की पवित्र धारा में कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक न डालने की अपील की गई। मेला क्षेत्र एवं गंगा की स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, अपर जिला जिलाधिकारी प्रशासन मानवेन्द्र सिंह, उप जिलाधिकारी सदर श्री सांई आश्रित शाखमुरी, एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

थाना डिलारी नवागत प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम प्रहरियों के साथ की बैठक

डिलारी। थाना डिलारी में नवागत प्रभारी निरीक्षक ने 17 नवंबर 2026 को थाना क्षेत्र में तैनात सभी ग्राम प्रहरियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक के दौरान उन्होंने उच्चाधिकारियों के आदेशों एवं निर्देशों से अवगत कराते हुए सभी ग्राम प्रहरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नवागत प्रभारी निरीक्षक ने ग्राम प्रहरियों को अपने-अपने गांवों में सतर्कता बनाए रखने, क्षेत्र की गतिविधियों पर नजर रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या महत्वपूर्ण सूचना की जानकारी तत्काल थाना पुलिस को देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। इसलिए सभी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और सतर्कता के साथ करें। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक ने मानवीय पहल करते हुए बैठक में मौजूद सभी ग्राम प्रहरियों को ठंड से बचाव के लिए चादरें भी वितरित कीं। चादरें पाकर ग्राम प्रहरियों ने खुशी जाहिर की। बैठक का उद्देश्य पुलिस और ग्राम प्रहरियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना रहा।



मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल विदिशा आएंगे 21 नवंबर को करेंगे संबोधित वृद्धि जनों को- ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

तैयारियां जोरों पर, 100 से अधिक वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों का होगा आगमन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा।(हाकम सिंह रघुवंशी) ऐतिहासिक नगरी विदिशा में 21 नवंबर 2026, शनिवार को मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल जी का आगमन होने जा रहा है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, ए-33 मुखर्जी नगर सेवा केंद्र द्वारा आयोजित 'संगम - गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' कार्यक्रम में वे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे तथा उपस्थित वृद्धजनों को संबोधित करेंगे। राज्यपाल महोदय की ओर से कार्यक्रम में शामिल होने की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कार्यक्रम की तैयारियां सेवा केंद्र पर जोर-शोर से चल रही हैं। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन ब्रह्माकुमारीज के समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा एवं आत्मीयता से परिपूर्ण जीवन प्रदान करना तथा समाज में उनके प्रति आदर एवं सम्मान की भावना विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस गरिमामय कार्यक्रम में मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय श्री अवधेश प्रताप सिंह जी भी विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी की ओर से भी कार्यक्रम के प्रति शुभकामनाएं प्राप्त हुई हैं तथा उनके आगमन की भी संभावना है। यह भव्य आयोजन 21 नवंबर 2026, शनिवार को प्रातः 11 बजे रवीन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन ऑडिटोरियम, विदिशा में आयोजित होगा। इसमें मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं अन्य प्रदेशों से 100 से अधिक वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनों के विदिशा पहुंचने की संभावना है। वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक हमारे समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके जीवन के अनुभव, संस्कार एवं मार्गदर्शन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। वर्तमान समय में आवश्यकता है कि वृद्धावस्था को जीवन का बोझ नहीं, बल्कि अनुभव, सम्मान, संतुष्टता एवं आध्यात्मिक शक्ति से परिपूर्ण जीवन का श्रेष्ठ चरण बनाया जाए। इसी उद्देश्य से 'संगम - गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' अभियान के माध्यम से समाज में सकारात्मक एवं आध्यात्मिक जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता, पारिवारिक आत्मीयता, सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मान की भावना को प्रोत्साहित किया जाएगा। अंत में ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने विदिशा के समस्त गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं नगरवासियों से इस गरिमामय आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा एवं गरिमा बढ़ाने की अपील की।

डिलारी पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार



मुरादाबाद। थाना डिलारी पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ यौन अपराध से जुड़े मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को 17 नवंबर 2026 की सुबह करीब 9:45 बजे गिरफ्तार किया। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, थाना डिलारी में दर्ज मुकदमें के तहत वादिनी सुनीता पत्नी बबलू निवासी ग्राम हुजरा मिलक ने अपनी पुत्रियों को बहला-फुसलाकर ले जाने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। घटना 28 और 29 अक्टूबर 2026 की मध्यरात्रि करीब एक बजे की बताई गई है। इस मामले में पुलिस जांच कर कार्रवाई की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गुड्डू पुत्र नन्हे निवासी ग्राम आदलपुर, थाना डिलारी, जनपद मुरादाबाद (उम्र 22 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपी इस मुकदमे में वांछित था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। थाना डिलारी पुलिस की ओर से मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

Taking too much vitamin C can be dangerous! It can increase the risk of kidney stones and even iron overload.



Vitamin C is important for the body, but excessive consumption can be harmful. Vitamin C is a vital nutrient, helping to strengthen immunity, maintain healthy skin, and protect the body from infection. It is also a powerful antioxidant that protects cells from damage. However, many people, seeking quick benefits, consume excessive amounts, which can be detrimental to the body. Therefore, it is crucial to know the correct dosage. The information is provided here. Let's explore the daily intake of vitamin C in detail. Adult men need approximately 90 mg of vitamin C daily. For women, the recommended intake is approximately 75 mg. According to experts, consuming more than 2000 mg of vitamin C daily can be harmful. Side effects of excessive vitamin C intake include stomach problems. Consuming too much vitamin C can cause stomach pain, gas, nausea, diarrhea, and acidity. Excessive intake, especially in the form of supplements, affects the digestive system. Kidney Stone Risk - Excessive vitamin C increases oxalate in the body, increasing the risk of kidney stone formation. Iron Excess - Vitamin C increases iron absorption in the body. However, excessive intake can cause iron overload in some people, which is harmful to the liver and heart. Headaches and Fatigue - Excessive supplementation can cause headaches, restlessness, fatigue, and sleep problems in some people. Natural Sources Are Safer - Vitamin C obtained from fruits and vegetables is considered safer. Precautions When Taking Vitamin C - Consume in balanced amounts. Consult a doctor before taking supplements. Avoid taking excessive amounts. Drink plenty of water to maintain kidney health.

UNESCO was founded when the world was ablaze in World War II; learn why this global organization was deemed essential.

Do you know how UNESCO, which preserves historical buildings, cultures, and education around the world, came into being? At the height of World War II, the world was losing more than just the lives of soldiers. Cities were in ruins, schools were being destroyed, books were being burned, and historical heritage was being reduced to rubble. Amidst this horrific scene, some people dreamed of a vision that would bind the world together through the bonds of science, culture, and education. The result of this vision was UNESCO, which was founded on November 16, 1945, and renowned British biologist Julian Huxley was chosen as its first Director-General. A blueprint for peace was created under the shadow of guns. In 1942, as the world was engulfed in the flames of World War II, a crucial meeting of Allied education ministers was held in London. Representatives of European countries that had directly suffered the devastation of the war also attended this meeting. The biggest concern there was how children's interrupted education would resume and how schools would function once the war ended. Leaders had clearly understood that simply signing political papers wouldn't bring peace to the world. True peace requires people to deeply understand each other's thinking, language, and culture. This historic discussion paved the way for the creation of UNESCO. The building that stood firm despite the bombing, where the historic decision was made: To make UNESCO a reality, a major conference of 44 countries was convened in London between November 1 and 16, 1945. The Institution of Civil Engineers building was chosen for this purpose. There was a special reason behind this choice of venue. While most of London's buildings were razed to the ground during the devastating German bombing, this building had survived unscathed. It was here, on November 16, that UNESCO's constitution was ratified. This constitution contained a profound and beautiful statement: "Since war begins in the human mind, the seeds of peace must be sown in human thoughts." The organization's full name was changed due to the insistence of scientists. Initially, the plan was to call it "UNECO" (United Nations Educational and Cultural Organization). Science was not mentioned in this proposal, but scientist Joseph Needham and biologist Julian Huxley opposed this. They argued that the role of science and scientific collaboration in bringing together nations around the world could not be ignored. Their advocacy was so influential that the word "Scientific" was added to the organization's name. Thus, "UNESCO" became "UNESCO" forever. Julian Huxley served as its first Director-General from 1946 to 1948. When thousands of years of history were saved by dismantling stones—the greatest achievement of UNESCO's ability to preserve the world's heritage was demonstrated in 1960. Egypt In 1952, the construction of the Aswan Dam caused the Nile River's water level to rise. This threatened to permanently submerge thousands of years old historical temples. UNESCO immediately appealed for global assistance, and nearly 50 countries came forward with financial support. The most challenging challenge was saving the temples of Abu Simbel. To achieve this, engineers devised a remarkable strategy: they cut the entire temple into small stones, numbered each piece, transported them to a safe, high-altitude location, and then reassembled them exactly as intended. In this remarkable operation, 22 ancient temples and monuments were saved from drowning. Students who faced gunfire gave the gift of "Mother Language Day" - The story of "International Mother Language Day," which we celebrate every year on February 21st, is deeply moving. It originated with the Language Movement in Bangladesh. On February 21st, 1952, some students from then-East Pakistan (present-day Bangladesh) were protesting for official status for their mother tongue, Bengali. Police opened fire indiscriminately, killing several students. sacrificed their lives. In memory of these martyred students, Bangladesh proposed celebrating this day internationally. In 1999, UNESCO approved the proposal, and since 2000, this day has been celebrated worldwide. Its sole purpose is to keep the world's languages ??alive and prevent them from becoming extinct.



"Re Veera, I brought jaggery..." This Haryanvi folk song adds to the festivities of the Bhaat invitation ceremony, with humorous lyrics.

The true spirit of a wedding in Haryana is not set by the deafening noise of a DJ, but by the authentic folk songs sung from behind the veil. Whether it's the wedding shehnai or the beats of the dholak, any celebration feels incomplete without the tunes of Haryanvi folk songs. Especially when it comes to a crucial ritual like "Bhat," Haryanvi women possess a treasure trove of songs that touch the heart. Today, we're going to tell you about one such traditional Haryanvi folk song, which is associated with the Bhaat invitation ceremony and is the highlight of every wedding. Yes, the lyrics are: "Re Veera, I brought jaggery, I brought jaggery..." Amidst the beats of the dholak and the applause of women, few people have noticed the true meaning of the typical Haryanvi words woven into this song, but behind them lies a deep emotion and the unwavering love between brother and sister. In fact, delving deeper into this playful and emotional song reveals the importance of Bhaat and a beautiful interweaving of a sister's sweet complaints to her brother. Let's take a closer look at the fascinating aspects of this evergreen folk song. The true meaning of "Re Veera Gud Ki Bheli Laai..." is a very famous song composed in the traditional folk singing style of Haryana. In Haryana and North India, before a wedding, a sister visits her parents' home to invite her brother and uncles for Bhaat. There is an old tradition of offering a "Bheli of Gud" as part of this invitation, which is considered a very auspicious omen. The most famous lines of this folk song are: "O Veera, give me a packet of jaggery; I will invite my uncles and aunts for a feast. O sister, if I can't get a packet of jaggery, even if I sell my house and mansion. Now, why don't I postpone it, there's a wedding or engagement coming up..." These lines depict the authority and pampering of a sister who desperately wants to invite her parents. She explains that there's a wedding or engagement coming up, so there's no more delaying. Rural life and a brother's love for his sister - This song also beautifully captures the brother's love for his sister. The sister complains that it's been seven years since she remembered her parents' home, and she sees her uncles' doorsteps, but not her brother's. Meanwhile, when the brother catches sight of his sister, he sees her bag and calls her and tells his wife: "O fair one, hurry up and come to the kitchen, my sister has come to meet me.



The One 2: 'The One' sequel announced, first look revealed; Ekta Kapoor joins forces with TVF again



Kata Kapoor wants to continue the story of 'The One' with TVF. The makers shared a video announcing the sequel. 'The One 2' will take audiences back to a world woven with mythology. Following the success of 'The One,' Ekta Kapoor announced its sequel, 'The One 2,' on the auspicious occasion of Chhath. This upcoming film will expand upon the world of folklore and fantasy presented in the first film. It will take audiences back to a world woven with mythology. Ekta Kapoor and TVF have once again collaborated with TVF. 'The One 2,' presented in collaboration with Balaji Motion Pictures and TVF, will continue their partnership and further develop the story of the first film. What was the story of the first film? The first film, set in the mystical forest of 'The One', introduced audiences to a unique world. It featured a goddess, ancient folklore, and mysterious powers. With this sequel, the makers aim to build on this foundation and create a universe called 'The World of One'. What's in the video? Announcing the sequel, the makers released a video that gives a glimpse into the sequel's mysterious world. In the film, a little girl is chasing a butterfly while being pursued by mysterious forces. The scene becomes even more intriguing when the girl's red eyes recall the climax of the first film. When was 'The One' released? With 'The One 2', Balaji Motion Pictures and TVF are set to expand the franchise. They are expanding the world of Indian folklore and mythology, giving audiences even more to enjoy. 'The One' was released in theaters on September 25, 2026. "The One" starred Sidharth Malhotra and Tamannaah Bhatia. Made at a cost of approximately ?65 crore (approximately $65 million), "The One" grossed ?71.76 crore (approximately $71 million) in India, according to media reports.

Priyanka Chopra: Global star sets new record, surpasses Alia and Shraddha; Anushka's husband ranks at what number?

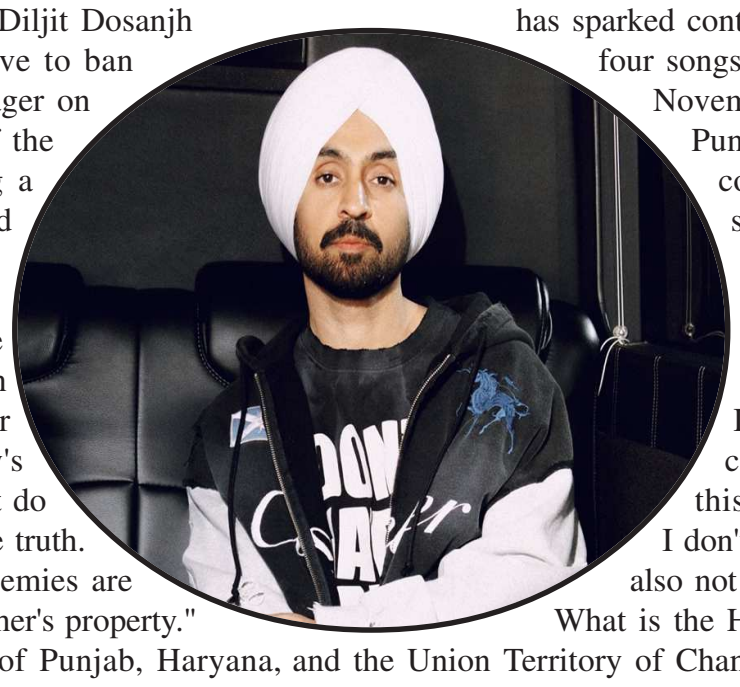






Priyanka will be seen in SS Rajamouli's film "Varanasi." Shraddha Kapoor is preparing for the release of her upcoming film "Eetha." Alia Bhatt's next film is "Love and War," which will be released in January 2027. With just a few weeks left until 2027, the year is about to end. It's time to reflect on the achievements and progress of celebrities in 2026. Social media has been a vital medium for celebrities to connect with their fans. The number of followers on Instagram is a measure of their popularity. A survey revealed the 10 Asian celebrities with the most followers on Instagram. Priyanka Chopra leads the list from India. Priyanka surpasses Shraddha and Alia Bhatt - Priyanka Chopra tops the list of the 10 celebrities from South, East, and Southeast Asia with the most followers on Instagram in 2026. She has 92.76 million followers. She will be seen alongside Mahesh Babu and Prithviraj Sukumaran in SS Rajamouli's mythological adventure film "Varanasi." Priyanka is also producing the sequel to the popular Marathi film "Ventilator." Katrina Kaif is next on the list with 92.70 million followers. The actress is preparing for the release of her upcoming film, "Eetha." Alia Bhatt, who is seventh on the list, has 85.1 million followers. Her next film, "Love and War," will be released in January 2027. Katrina Kaif is ranked 10th with 78.6 million followers. Currently, she is focusing on her beauty brand. Who's at the top? Indian cricketer and Bollywood actress Anushka Sharma's husband Virat Kohli tops the list as the most followed person in Asia. He is followed by Indian Prime Minister Narendra Modi. Blackpink star Lalisa Manobala, known as 'Lisa', is in third place with 105 million followers. This information is taken from Instagram and is based on data available before November 15. Celebrity Name Instagram Followers Virat Kohli 271 million Narendra Modi 106 million Saa 105 million Priyanka Chopra 92.76 million Shraddha Kapoor 92.70 million Jennie 89.3 million Alia Bhatt 85.1 million Rosé 82.7 million Jisoo 79.8 million Katrina Kaif 78.6 million

Diljit Dosanjh: Ignored song restrictions; will the Child Protection Officer take action?



Diljit Dosanjh was banned from singing four songs at his concert. However, he performed those four banned songs at his Indore concert. Now, the District Child Protection Officer has expressed his views on the matter. Punjabi singer Diljit Dosanjh has sparked controversy by singing his hit song "Patiala Peg" at a concert in Indore. He ignored the District Child Protection Officer's directive to ban four songs for allegedly promoting alcohol and violence. District Child Protection Officer Rajneesh Sinha, who wrote to the venue manager on November 6, asking for a ban on four of Dosanjh's songs, said further action would be considered after examining a 2019 order of the Punjab and Haryana High Court. When asked about the complaint, Sinha told PTI that he issued these instructions following a complaint from Dr. Panditrao Dharenawar of Chandigarh. Citing a Punjab and Haryana High Court order, Dr. Dharenawar had sought a ban on these four songs from the Indore event. The complainant claims that the songs, "Patiala Peg," "5 Taara Theke," "Jeb Vichon Opium," and "Jatt Fire Karda," promote alcohol and violence and could have a negative impact on young children. Was the performance a violation of the High Court order? Sinha said, "I have asked the complainant to send a copy of the order." Only after reading it will it be clear whether it prohibits any particular singer from singing a particular song in events like live concerts. He said that only after examining the High Court's decision will it be possible to determine whether Dosanjh's performance in Indore was a violation of the High Court's order. Diljit expressed his objection - During Sunday's concert, Diljit Dosanjh expressed his displeasure over these restrictions. He said, "I cannot sing this, I cannot sing that, I cannot do this, I cannot do that." After this, he recited these lines of famous poet Rahat Indori. "Whatever comes out of my mouth is true truth. I don't have your tongue in my mouth. If I am against it, let it be, it is not my life. This is all smoke, not the sky. I know that the enemies are also not less, but they do not have their lives in their hands like me. Everyone's blood is mixed in the soil here, India is not anyone's father's property." What is the High Court's order? In its July 22, 2019, order, the Punjab and Haryana High Court directed the Directors General of Police of Punjab, Haryana, and the Union Territory of Chandigarh to ensure that songs glorifying alcohol, drugs, and violence are not played at live shows. The court stated that such songs have a profound impact on young children.